भारतीय विज्ञान कांग्रेस (आईएससी 2004) का 91वां सत्र

भारतीय विज्ञान कांग्रेस (आईएससी 2004) का 91वां सत्र को जनवरी 3 - 7, 2004 के दौरान पंजाब विश्वविद्यालय, चंड़ीगढ़ में आयोजित किया गया। इस सत्र की प्रमुख विचारधारा थी 21वीं शताब्दि में विज्ञान व समाज : उत्कृष्टता की खोज। इस समारोह के साथ साथ चलने वाली एक प्रदर्शनी भारत का गर्व भी लगाई गई। इस प्रदर्शनी के केन्द्रीय कक्ष में स्वर्गीय डॉ. होमी जे. भाभा व स्वर्गीय श्री जे.आर.डी. टाटा की उपलब्धियों को प्रदर्शीत करके उन्हें सम्मानित किया गया। डॉ. मुरलीमनोहर जोशी, माननीय केन्द्रीय मंत्री, मानव संसाधन विकास, विज्ञान व प्रौद्योगिकी तथा महासागर विकास विभाग, ने इस प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

अपने स्वर्ण जयंती वर्ष के कार्यक्रमों के अंतर्गत परमाणु ऊर्जा विभाग ने एक बडा पंडाल लगाया जिसमें पिछले के दौरान सामाजिक विकास के लिए किए गए इसके विभिन्न योगदान प्रदर्शीत किए गए। इस पंडाल के प्रमुख आकर्षण थे सुदूर चालित मास्टर-स्लेव मैनिपुलेटर यंत्र, विभिन्न लेसर उपस्कर जिनका उपयोग कृषि व स्वास्थ्य रक्षा में होता है, यूरोपीय नाभिकीय अनुसंधान संगठन (सर्न), जेनेवा द्वारा स्थापित किए जा रहे वृहद् हैड्रोन कोलाईडर के लिए पऊ विभाग द्वारा विकसित किए गए विभिन्न घटक।

पऊ विभाग की प्रदर्शनी में 2 लाख से अधिक व्यक्ति पहुँचे।

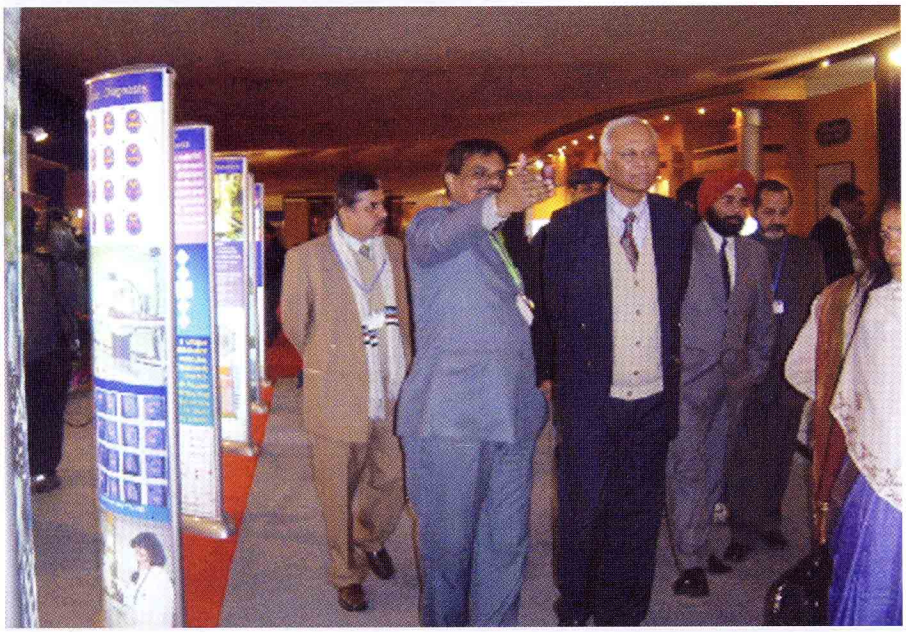

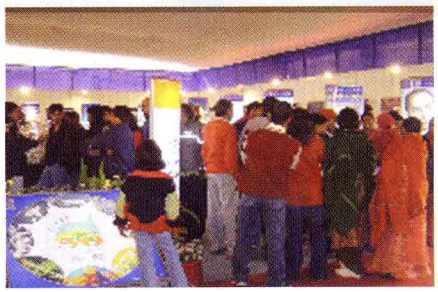

डॉ. आर.ए. मशेलकर, सचिव, विज्ञान व प्रौद्योगिकी अनुसंधान विभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग के प्रदर्शनी पंडाल में।

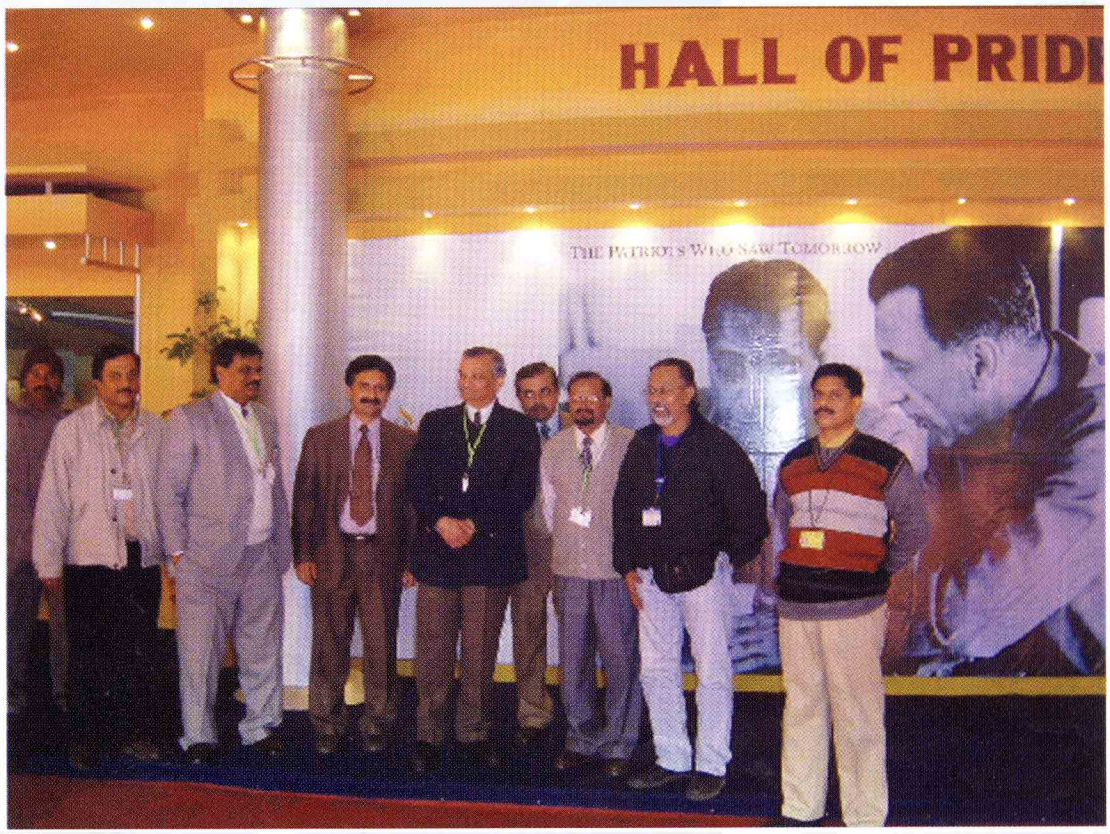

डॉ. अनिल काकोडकर, अध्यक्ष, परमाणु ऊर्जा आयोग (मध्य में), हॉल ऑफ प्राईड में।

आर.के. भटनागर, प्रमुख, प्रकाशन प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार, मुंबई-400 001 द्वारा संपादित व प्रकाशित तथा
उनके द्वारा ही राज प्रिंटर्स, मुंबई-400 031 में मुद्रित